http://www.pssouonline.com

J–3176

B. A. (Third Year)
Term End Examination, June-July, 2018

संस्कृत साहित्य

Paper Second

(अर्थगौरवम्)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 18*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक 01 से 08 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 या 2 शब्दों/1 वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक 09 से 14 तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक 15 से 18 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों या एक पेज में दीजिये।

22. कृदन्त को परिभाषित करते हुए किसी **एक** सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—इ

23. श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

24. किरातार्जुनीयं के प्रथम सर्ग के अनुसार दुर्योधन की शासन व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

http://www.pssouonline.com

http://www.pssouonline.com

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक **19** से **22** तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **300** शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक **23** एवं **24** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **600—750** शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. युग कितने होते हैं ?
2. गुडाकेश किसे कहा गया है ?
3. किरातार्जुनीय का अङ्गीरस कौन है ?
4. उपमा का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
5. छन्द शास्त्र में गण कितने होते हैं ?
6. उद्देश्य और विधेय किसका विभाजन है ?
7. किरातार्जुनीय की कथा का मूल आधार ग्रन्थ कौन है ?
8. "पेयं" में कौन-सा प्रत्यय है ?

खण्ड—ब

9. मनुस्मृति के अनुसार "आचार्यमहिमा" को स्पष्ट कीजिए।
10. निम्नाङ्कित का सप्रसङ्ग अर्थ लिखिए—

    या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।
    यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः ॥

11. निम्नाङ्कित सूक्ति का सप्रसङ्ग भावार्थ प्रस्तुत कीजिए—

    हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

12. सोदाहरण विभावना अलङ्कार का लक्षण लिखिए।
13. भाषा विज्ञान के सन्दर्भ में संकेतग्रह को स्पष्ट कीजिए।
14. खण्डकाव्य के लक्षण को स्पष्ट करते हुए "मेघदूतम्" में लक्षित कीजिए।

खण्ड—स

15. मनुस्मृति के अनुसार गृहस्थाश्रम का वर्णन कीजिए।
16. निम्नाङ्कित की सप्रसंग विस्तृत व्याख्या कीजिए—

    व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं
    भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः।
    प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधान्
    असंवृताङ्गान्निशिता इवेषवः ॥

17. छन्दो विवेचन में सोदाहरण गणविधान को स्पष्ट कीजिए।
18. "पञ्चतन्त्र" के महत्व को प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—द

19. मनुस्मृति के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
20. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय में कृष्णार्जुन संवाद को स्पष्ट कीजिए।
21. "किरातार्जुनीयं" की समीक्षा कीजिए।

http://www.pssouonline.com